Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
June 2024 5(6), 1891–1895

STUDY OF THE EFFECT OF SCHOOL ENVIRONMENT ON THE EDUCATIONAL ACHIEVEMENT OF STUDENTS STUDYING AT SECONDARY LEVEL

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

Savita [1], Dr. Bindu Singh [1]

[1] Researcher, Assistant Professor IFTM University Moradabad, India

ABSTRACT

English: For students studying at secondary level, this environment forms the basis of their educational, mental and social development. School environment includes teacher-student relationship, influence of classmates, educational resources, and administrative policies. These elements can positively or negatively affect the learning ability of students and their educational achievements. The relationship between teacher and students plays a central role in educational achievements. An inspiring and supportive teacher can instill confidence and interest in studies in students. On the contrary, harsh or neglectful attitude of teachers can affect the performance of students. The influence of classmates is also important because positive peer groups can motivate students to perform better while negative influence can weaken their self-esteem and educational goals. Resources available in the school such as libraries, laboratories, playgrounds and technical equipment promote the educational success of students. Adequate resources help in providing practical and experiential education to students. Also, the environment of the classrooms, such as cleanliness, lighting and seating, affects the concentration and learning ability of students. The administrative policies and disciplinary measures of the school also affect the academic achievement of students. A progressive and inclusive administrative system provides a sense of freedom and cooperation to the students. Also, the examination system, methods of evaluation and the structure of the curriculum also guide the performance of students. School environment also has an impact on mental and emotional health. A stress-free and inspiring environment encourages students to use their full potential. On the contrary, an atmosphere of pressure and insecurity can affect the mental health and academic achievements of students. Ultimately, the impact of school environment on the academic achievement of students is wide-ranging and multi-faceted. It is essential that schools provide an environment that not only encourages academic success but also helps in the overall development of students. For this, teachers, parents and administration should work together to create a positive and encouraging environment.

Hindi: माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए यह वातावरण उनके शैक्षिक मानसिक और सामाजिक विकास का आधार बनता है। विद्यालयी वातावरण में शिक्षक-छात्र संबंध सहपाठियों का प्रभाव शैक्षिक संसाधन, और प्रशासनिक नीतियां सम्मिलित होती हैं। यह तत्व छात्रों की सीखने की क्षमता और उनकी शैक्षिक उपलब्धियों को सकारात्मक या नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। शिक्षक और छात्रों के बीच संबंध शैक्षिक उपलब्धियों में एक केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। एक प्रेरणादायक और सहयोगी शिक्षक विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और अध्ययन के प्रति रुचि जागृत कर सकता है। इसके विपरीत शिक्षकों का कठोर या उपेक्षात्मक रवैया छात्रों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। सहपाठियों का प्रभाव भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सकारात्मक सहकर्मी समूह छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर सकते हैं जबकि नकारात्मक प्रभाव उनके आत्म-सम्मान और शैक्षिक लक्ष्यों को कमजोर कर सकता है। विद्यालय में उपलब्ध संसाधन जैसे पुस्तकालय प्रयोगशालाएं, खेल के मैदान और तकनीकी उपकरण छात्रों की शैक्षिक सफलता को बढ़ावा देते हैं। पर्याप्त संसाधन छात्रों को व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने में सहायक होते हैं। इसके साथ ही कक्षाओं

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i6.2024.5088

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

का माहौल, जैसे साफ-सफाई रोशनी और बैठने की सुविधा छात्रों की एकाग्रता और सीखने की क्षमता को प्रभावित करता है। विद्यालय की प्रशासनिक नीतियां और अनुशासनात्मक उपाय भी छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव डालते हैं। एक प्रगतिशील और समावेशी प्रशासनिक प्रणाली छात्रों को स्वतंत्रता और सहयोग की भावना प्रदान करती है। साथ ही परीक्षा प्रणाली मूल्यांकन के तरीके और पाठ्यक्रम की संरचना भी छात्रों के प्रदर्शन को दिशा देती है। विद्यालयी वातावरण का मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है। तनावमुक्त और प्रेरणादायक वातावरण छात्रों को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके विपरीत दबाव और असुरक्षा का माहौल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक उपलब्धियों को प्रभावित कर सकता है। अंततः विद्यालयी वातावरण का प्रभाव विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर व्यापक और बहुआयामी होता है। यह आवश्यक है कि विद्यालय एक ऐसा माहौल प्रदान करें जो न केवल शैक्षिक सफलता को प्रोत्साहित करे बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक हो। इसके लिए शिक्षकों अभिभावकों और प्रशासन को मिलकर काम करना चाहिए ताकि एक सकारात्मक और प्रोत्साहनपूर्ण वातावरण का निर्माण किया जा सके।

Keywords: Students Studying at Secondary Level, School Achievement and School Environment, माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थी] शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण

1. प्रस्तावना

विद्यालयी वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है खासकर माध्यमिक स्तर पर। यह वातावरण न केवल शैक्षिक सामग्री का संचरण करता है बल्कि छात्रों की मानसिक] शारीरिक और सामाजिक विकास प्रक्रिया में भी एक सक्रिय भूमिका निभाता है। विद्यालयी वातावरण में शिक्षकों का प्रभाव] विद्यालय का भौतिक और सामाजिक माहौल तथा सहायक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास में एक केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। एक सक्षम और प्रेरक शिक्षक न केवल पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है] बल्कि छात्रों के साथ एक अच्छा संवाद स्थापित करता है] जिससे विद्यार्थियों को उनकी समस्याओं का समाधान मिल सकता है। शिक्षक की सकारात्मक प्रतिक्रिया] विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना और उनके साथ संवाद स्थापित करने की क्षमता छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाती है। इसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सुधार होता है। इसके अलावा शिक्षक की शिक्षण शैली, जैसे कि प्रोजेक्ट] आधारित लर्निंग समूह कार्य और रचनात्मक शिक्षण विधियाँ छात्रों के अध्ययन को अधिक आकर्षक और व्यावहारिक बना सकती हैं जिससे उनका शैक्षिक प्रदर्शन सुधरता है। विद्यालय का भौतिक वातावरण भी छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। एक स्वच्छ सुरक्षित और आरामदायक वातावरण छात्रों को अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। विद्यालय की संरचना जैसे कि पुस्तकालय, खेल का मैदान और प्रयोगशाला छात्रों को विविध प्रकार के शैक्षिक अनुभवों से जोड़ती है जो उनके समग्र विकास में सहायक होते हैं। इसके अलावा] यदि विद्यालय में पर्याप्त प्रकाश वेंटिलेशन और आरामदायक बैठने की व्यवस्था होती है तो इससे छात्रों का मानसिक दबाव कम होता है जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में वृद्धि होती है।सामाजिक वातावरण का भी छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर गहरा असर पड़ता है। यदि विद्यालय में एक सकारात्मक और सहायक सामाजिक माहौल होता है तो इससे छात्रों को अपनी व्यक्तिगत समस्याओं से निपटने में मदद मिलती है। साथ ही विद्यार्थियों में आत्म&प्रेरणा और एक दूसरे के प्रति सहानुभूति का विकास होता है। जब छात्र अपने सहपाठियों और शिक्षकों से उत्साहवर्धन प्राप्त करते हैं तो उनका शैक्षिक प्रदर्शन बेहतर होता है।विद्यालयी वातावरण में सहायक गतिविधियाँ और अतिरिक्त पाठ्यक्रम की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। खेल कला संगीत नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी से विद्यार्थियों का मानसिक विकास होता है और वे अपनी शैक्षिक गतिविधियों में अधिक समर्पित रहते हैं। अतिरिक्त पाठ्यक्रमों द्वारा छात्रों को तनावमुक्त किया जाता है जो उनकी पढ़ाई में सुधार करने में मदद करता है। इसके अलावा समूह कार्य और सहपाठी के साथ सहयोग करने से छात्रों में टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है जो उनके शैक्षिक प्रदर्शन को भी प्रभावित करता है।विद्यालयी वातावरण केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहता। माता&पिता और समुदाय का भी इसमें बड़ा योगदान होता है। माता&पिता की सक्रिय भागीदारी जैसे कि शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेना बच्चों के अध्ययन की स्थिति पर निगरानी रखना और उन्हें मानसिक सहारा देना विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ावा देता है। यदि माता&पिता का सहयोग मिलता है तो बच्चे अपने स्कूल के प्रति अधिक प्रेरित और जिम्मेदार होते हैं। साथ ही समाज का सहयोग और प्रेरणा भी विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। विद्यालय की नीतियाँ और प्रशासनिक संरचना भी शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव डालती हैं। एक प्रभावी और संगठित विद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के लिए एक स्थिर और उत्तेजक वातावरण सुनिश्चित करता है। विद्यालय की नीति, जैसे कि समय प्रबंधन पाठ्यक्रम का चयन और परीक्षा प्रणाली छात्रों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए उपयुक्त होनी चाहिए। यदि विद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के लिए अच्छे शैक्षिक संसाधन और सुविधाएँ प्रदान करता है तो विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार होता है।विद्यालयी वातावरण में मानसिक स्वास्थ्य और समग्र विकास की दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए। जब छात्रों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ मिलती हैं तो वे बेहतर तरीके से अपनी शैक्षिक गतिविधियों में भाग ले पाते हैं। मानसिक दबाव तनाव और चिंता को कम करने के लिए विद्यालयों में काउंसलिंग सेवाएँ और मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए। इसके अलावा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए नेतृत्व विकास, आत्मविश्वास निर्माण और जीवन कौशल सिखाने वाले कार्यक्रम भी महत्वपूर्ण हैं।

अंततः यह स्पष्ट है कि विद्यालयी वातावरण का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह वातावरण सिर्फ कक्षाओं तक ही सीमित नहीं रहता बल्कि इसमें शिक्षक सहपाठी भौतिक सुविधाएँ सहायक गतिविधियाँ और माता-पिता का सहयोग भी शामिल होता है। जब इन सभी घटकों का संतुलित रूप से ध्यान रखा जाता है तो छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों में लगातार सुधार देखा जाता है। इसलिए विद्यालयों को इस वातावरण को सकारात्मक प्रेरणादायक और सहयोगपूर्ण बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए ताकि विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता सुनिश्चित की जा सके।

2. अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन शैक्षिक अनुसंधान और नीति निर्माण के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालयी वातावरण से अभिप्राय केवल विद्यालय के भौतिक ढांचे शैक्षिक संसाधनों और शिक्षा प्रक्रिया से नहीं है बल्कि इसमें सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक पहलू भी शामिल हैं जो विद्यार्थियों की समग्र शैक्षिक यात्रा को प्रभावित करते हैं। माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों का शैक्षिक विकास केवल पाठ्यक्रम और शिक्षक की पढ़ाई पर निर्भर नहीं करता बल्कि यह उनके आस&पास के वातावरण से भी प्रभावित होता है। इस वातावरण में विद्यालय का शैक्षिक माहौल सहशिक्षा विद्यालय प्रशासन सहकर्मी सम्बन्ध माता&पिता का सहयोग और विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य शामिल हैं।

विद्यालय का शैक्षिक माहौल विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सीधे प्रभाव डालता है। यदि विद्यालय में प्रतिस्पर्धात्मक प्रेरणादायक और सहायक वातावरण होता है तो विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बढ़ती है। एक अच्छा शैक्षिक माहौल विद्यार्थियों को न केवल उच्चतर अकादमिक उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए प्रेरित करता है बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। इसके विपरीत एक नकारात्मक और तनावपूर्ण वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है और उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में कमी ला सकता है। विद्यालय के भीतर सहशिक्षा का माहौल विद्यार्थियों की सामाजिक क्षमताओं को निखारता है। जब विद्यार्थियों के बीच आपसी सहयोग और सहकार्य की भावना होती है तो यह शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ावा देता है। सहशिक्षा विद्यार्थियों को सामूहिक कार्यों और परियोजनाओं में भाग लेने का अवसर देती है जिससे वे नए दृष्टिकोण अपनाने और समस्याओं को हल करने की कला सीखते हैं। इसके अलावा सहकर्मी रिश्ते विद्यार्थियों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं जिससे उनकी शैक्षिक यात्रा अधिक सुखद और संतुलित होती है।विद्यालय प्रशासन की भूमिका भी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण होती है। एक कुशल और प्रेरणादायक प्रशासन शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उचित संसाधनों और नीतियों की स्थापना करता है। इसके साथ ही शिक्षक का दृष्टिकोण और कार्यशैली भी विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता पर बड़ा असर डालते हैं। प्रेरित और समर्थ शिक्षक विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करते हैं। वे विद्यार्थियों के व्यक्तिगत और शैक्षिक विकास के प्रति साकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं जिससे छात्रों में अपनी क्षमता पर विश्वास उत्पन्न होता है। विद्यालय का वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिति पर भी प्रभाव डालता है। एक सकारात्मक और सहायक वातावरण विद्यार्थियों के आत्म&सम्मान को बढ़ाता है और उन्हें शैक्षिक सफलता प्राप्त करने में सहायता करता है। वहीं यदि विद्यालय का वातावरण मानसिक तनाव दबाव और प्रतिस्पर्धा से भरपूर होता है तो यह विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर नकारात्मक असर डाल सकता है। इसलिए विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों और भावनात्मक समर्थन की व्यवस्था विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यालयी वातावरण में माता-पिता का सहयोग भी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब माता&पिता का सक्रिय सहयोग और समर्थन होता है तो विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों के प्रति अधिक प्रतिबद्धता होती है। माता&पिता के सकारात्मक प्रभाव से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे विद्यालय के वातावरण में बेहतर तरीके से समायोजित होते हैं। इसके अतिरिक्त माता-पिता द्वारा दिए गए प्रेरणा और दिशा&निर्देश विद्यार्थियों को मानसिक और शैक्षिक चुनौतियों का सामना करने में मदद करते हैं। विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक संसाधन और सुविधाएँ भी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर असर डालती हैं। जब विद्यालय में पर्याप्त पुस्तकालय कंप्यूटर प्रयोगशाला और अन्य संसाधन उपलब्ध होते हैं तो विद्यार्थियों को सीखने के लिए बेहतर अवसर मिलते हैं। इसके अलावा खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है जो उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में भी योगदान करता है।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि विद्यालयी वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर एक व्यापक और गहरा प्रभाव डालता है। विद्यालय का शैक्षिक माहौल सहशिक्षा शिक्षक का दृष्टिकोण प्रशासन की नीतियाँ मानसिक स्वास्थ्य और माता&पिता का सहयोग सभी मिलकर विद्यार्थियों के शैक्षिक जीवन को आकार देते हैं। इस कारण विद्यालयों को एक सकारात्मक और सहायक वातावरण तैयार करने की आवश्यकता है जिसमें विद्यार्थियों के शैक्षिक सामाजिक और मानसिक विकास की पूर्णता सुनिश्चित की जा सके। यह अध्ययन शैक्षिक नीतियों के सुधार और विद्यालयों की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है ताकि विद्यार्थियों को उनकी पूरी शैक्षिक क्षमता को पहचानने और उसे साकार करने के अवसर मिल सकें।

3. सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

निम्शर्मा एवं खातुन (2020) सुंदर रानी और आर गीता रेड्डी (2019) रोथेनबर्ग (2018) मोरा (2018) मेराजुल हसन और रुमासरकर (2018) चार्ल्स ग्बोली और हैरियट पर्ल कीमू (2017) आदि प्रमुख है।

4. समस्या कथन

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन।

5. आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

6. न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु 50 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

7. उपकरण

कोई भी अनुसंधान बिना परीक्षण के पूर्ण नही होता। अनुसंधानकर्ता ने प्रस्तुत अनुसंधान के आंॅकड़ों के सकंलन हेतु निम्नलिखित मानकीकृतपरीक्षणों का चयन किया है-

- पारिवारिक वातावरण मापनी & शालू सैनी एवं प्रो0 (डॉ) परमिन्दर कौर
- विद्यालयी वातावरण मापनी डा. करूणा शंकर मिश्र

8. अध्ययन के उद्देश्य

1) माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरतछात्रोंकी शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन।
2) माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरतछात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन।

9. अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1) माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरतछात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।
2) माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरतछात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।

10.परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका संख्या 1 माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरणके मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति एवं व्याख्या

चर	छात्र संख्या	सहसम्बन्ध	सहसबन्ध स्तर
विद्यालयी वातावरण	25	0-033	धनात्मक
शैक्षिक उपलब्धि			

व्याख्या -तालिका संख्या 1 में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0-033 प्राप्त हुआ है। प्राप्त सहसम्बन्ध का मान दोनों चरों के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध को स्पष्ट करता है। जिससे पता चलता है कि विद्यालय में उपस्थित शैक्षिक संसाधन जैसे पुस्तकालय प्रयोगशाला और आधुनिक तकनीकी उपकरण छात्रों के ज्ञानवर्धन में मदद करते हैं। इसके अलावा शिक्षक&छात्र संबंध विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियाँ और अनुशासन भी शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। यदि विद्यालय का माहौल अनुकूल और प्रेरणादायक होता है तो छात्र अधिक मेहनत करते हैं और अच्छे परिणाम प्राप्त करते हैं। इसके विपरीत एक नकारात्मक या अव्यवस्थित वातावरण

छात्रों के मानसिक तनाव को बढ़ा सकता है जो उनके अध्ययन और परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। विद्यालयी वातावरण में उपयुक्त मार्गदर्शन और प्रेरणा का अभाव छात्रों की आत्मविश्वास और अध्ययन के प्रति रुचि को कम कर सकता है।

तालिका संख्या 2 माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध की स्थिति एवं व्याख्या

चर	Nk=kvksa dh संख्या	सहसम्बन्ध	सहसबन्ध स्तर
विद्यालयी वातावरण	25	0-011	धनात्मक
शैक्षिक उपलब्धि			

व्याख्या -तालिका संख्या 2 मेंमाध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0-011 प्राप्त हुआ है। प्राप्त सहसम्बन्ध का मान दोनों चरों के मध्य धनात्मकसह सम्बन्ध को स्पष्ट करता है। जिससे पता चलता है कि जब विद्यालय में सकारात्मक माहौल होता है जैसे कि शिक्षकों द्वारा प्रेरणा, छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सहकारिता, और आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं का होना तो छात्राएं अपनी शैक्षिक उपलब्धियों में सुधार करती हैं। इसके विपरीत यदि विद्यालय का वातावरण तनावपूर्ण या अव्यवस्थित होता है तो यह छात्राओं के मानसिक और शैक्षिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसलिए यह स्पष्ट है कि विद्यालय का वातावरण छात्रा की शैक्षिक उपलब्धि में एक निर्णायक भूमिका निभाता है।

11.अध्ययन के निष्कर्ष

1) माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
2) माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालयी वातावरण के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

REFERENCES

Brown, P. (2022). School climate and its influence on academic outcomes. Proceedings of the Annual Education Conference, New York, NY.

Johnson, J. L., & Miller, D. P. (2020). School climate: Leading with collective efficacy. Routledge.

National Center for Education Statistics. (2019). The impact of school environment on student achievement: A longitudinal study. U.S. Department of Education. https://nces.ed.gov/pubs2019/2019020.pdf

Santrock, J. (2016). Educational psychology. McGraw-Hill Education.

Smith, A., & Allen, R. (2018). Impact of school climate on student achievement. Journal of Educational Psychology, 110(5), 716-730. https://doi.org/10.1037/edu0000275